Hindi Murli Quiz 09-11-2013

This is your description.

Q.1) हम स्वयं को एवर निरोगी कैसे बना सकते है ?

- **A.** अपने हिसाब किताब का पोतामेल रखने से
- **B.** याद की यात्रा का चार्ट रखने से
- **C.** हर एक्ट सदा श्रीमत के आधार पर करने से
- **D.** याद रूपी दवाई से

Q.2) हम विकार्मजीत कैसे बन सकते है ?

- **A.** देहिअभिमानी बनने से
- **B.** यथार्थ रूप से बाप की याद करने से
- **C.** याद और स्वदर्शन चक्र फिराने की आदत डालने से
- **D.** ज्ञान की धारणा करने से

Q.3) जिन बच्चो को अपनी उन्नति का ख्याल रहता है उनकी निशानी क्या होगी ?

- **A.** उनकी हर एक्ट श्रीमत के आधार पर होगी
- **B.** वो स्वदर्शन चक्र फिरने की आदत डालेंगे
- **C.** वह अपनी याद की यात्रा का चार्ट रखेंगे
- **D.** वह अपने हिसाब किताब का पोतामेल रखेंगे

Q.4) धारणा न होने का कारण क्या है ?

- **A.** क्योकि स्वदर्शन चक्र फिराने की आदत नहीं है
- **B.** क्योकि विकर्म बहुत किये है, पास्ट के विकर्म याद में रूकावट डालते है
- **C.** क्योकि एवर निरोगी बनाने वाले सर्जन को याद नहीं करते है
- **D.** क्योकि ज्ञान की पराकाष्टा नहीं है

Q.5) जोड़ लगाओ

	Choice	Match
A	जो जितना पुरुषार्थ करते है	उतना फरमानबरदार है
B	श्रीमत पर पूरा अटेंशन देंगे	तो ऊंच पद पायेंगे
C	ब्राह्मणों की माला	अन्त में बनेगी
D	अपनी हर एक्ट	श्रीमत के आधार पर हो

Explanation :

Q.6) अपना और दूसरों का कल्याण हम कैसे कर सकते है ?

- **A.** रहमदिल बनकर
- **B.** सबको सच्ची यात्रा कराकर
- **C.** स्वदर्शन चक्र फिराने की आदत डालने से
- **D.** श्रीमत पर अटेंशन देकर

Q.7) शिवबाबा को सोमनाथ क्यों कह दिया है ?

- **A.** शिवबाबा विष्णुपुरी किस स्थापना करते है इसलिए
- **B.** शिवबाबा सबको मुक्ति-जीवन्मुक्ति का रास्ता बताते है इसलिए
- **C.** पढ़ाते है इसलिए
- **D.** शिवबाबा सोमरस पिलाते है इसलिए

Q.8) अपनी उन्नति का सारा मदार किस बात पर है ?

- **A.** पुरुषार्थ पर
- **B.** सर्विस पर
- **C.** पढाई पर
- **D.** गुणों की धारणा पर

Q.9) सेवा के क्षेत्र में सभी बातों में सहज विजयी कैसे बन सकते है ?

- **A.** स्व-प्रबंधन और नेतृत्व की कला से
- **B.** हर एक के साथ मिलकर चलने का लक्ष्य रखने से और स्वयं को बदलने की भावना रखने से
- **C.** मेहनत कर ख़ुशी का पारा चढाने से
- **D.** श्रीमत पर पूरा अटेंशन देने से

Q.10) शिवपिता की याद बुद्धि में किस तरह समाई हो ?

- **A.** एक बाप दूसरा न कोई
- **B.** बुद्धि उपराम रहे, एक बाप की याद में मस्त रहे
- **C.** एक बाप की याद से ख़ुशी का पारा चढ़ा रहे
- **D.** जैसे नैनों में नूर समया हुआ है वैसे